वैजयन्ती माला में आने की युक्ति

राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

हम बात कर रहे हैं विजयी रत्नों की। भारत में विशेष हिन्दु धर्म में, और धर्मों में भी कहीं-कहीं आठ मणकों की माला सिमरी जाती है। स्नान करते हैं उसके आधार से कोई मंत्र जाप करते हैं। 108 ही क्यों? इसको दूसरे शब्दों में वैजयन्ती माला भी कहा जाता है। ये उन आत्माओं की यादगार है जिन्होंने माया पर विजय प्राप्त की। वैजयन्ती का अर्थ है अन्त तक सम्पूर्ण विजय प्राप्त कर ली। इनमें से जो अष्ट रत्न हैं उन्होंने तो लम्बा काल तक इन पर विजय प्राप्त करके इस संसार को बहुत कुछ दिया। वो तो चारों सब्जेक्ट में फुल पास हुए। उनके ही लिए शब्द है फुल पास होना या पास विद ऑनर का जो अवॉर्ड है, जो पदक है वो उन्हें प्राप्त हो जायेगा। लेकिन बाकी जो सौ हैं वो धीरे-धीरे माया पर विजय प्राप्त करते चलते हैं। अन्त तक उनकी सम्पूर्ण विजय हो जाती है। जिनकी विजय जितनी अंत में होती है उनका विजय माला में नम्बर उतना ही पीछे हो जाता है।

मैं एक बात और कह दूं, बाबा ने स्पष्ट किया है अष्ट रत्नों की तो बात छोड़ें लेकिन विजय माला में लास्ट तक भी कुछ सीट खाली रखी जाती हैं कि कोई भी नया आने वाला शिव बाबा का बच्चा तेज पुरूषार्थ करके विजय माला में आने चाहे तो कोई ये नहीं कहेगा कि सीट खाली नहीं है, सीट खाली है। इसलिए जो दो-चार साल से आये हैं, जो आ रहे हैं और जो अभी भी आने वाले हैं उनमें से भी कुछ आत्मायें ऐसी होंगी जो तीव्र गति से पुरूषार्थ करेंगी और विजय माला में सीट ले लेंगी। उनमें से मुझे ऐसा दिखाई दे रहा है कि कुछ आत्मायें वो भी होंगी जो पूर्व जन्म में भी ब्राह्मण थीं। उन्होंने बहुत अच्छा पुरूषार्थ किया है और देह छोड़ा है। कंटिन्यू होता है। उनकी बहुत सारी धारणायें श्रेष्ठ होती हैं। तो जैसे अष्ट रत्न चारों सब्जेक्ट में फुल होते हैं, किसी धारणा की उनमें कोई कमी नहीं रहती। वे ज्ञान के सब्जेक्ट में भी फुल हो जाते हैं।

कुछ आत्मायें वो भी होंगी जो पूर्व जन्म में भी ब्राह्मण थीं। उन्होंने बहुत अच्छा पुरूषार्थ किया है और देह छोड़ा है। कंटिन्यू होता है। उनकी बहुत सारी धारणायें श्रेष्ठ होती हैं। तो जैसे अष्ट रत्न चारों सब्जेक्ट में फुल होते हैं, किसी धारणा की उनमें कोई कमी नहीं रहती। वे ज्ञान के सब्जेक्ट में भी फुल हो जाते हैं।

भगवानुवाच- जैसे मैं ज्ञान का सागर हूँ, अष्ट रत्नों को भी ज्ञान का सागर बना देता हूँ। लेकिन बाकी जो सौ हैं उनकी डिग्रीयां थोड़ी कम होती रहती हैं। लेकिन 75 प्रतिशत से तो ज़्यादा ही होता है, 75-90-92 यहाँ तक इन आत्माओं की भी डिग्री रहती है। तो इनमें से भी अधिकतर की प्युरिटी और योग की किरणें दूर-दूर तक फैलती हैं। ज्ञान और धारणाओं की किरणें भी बहुत दूर-दूर तक फैलती हैं।

गुण तो धारण हम सभी करते हैं, मैं उदाहरण दे रहा हूँ सहनशीलता। एक व्यक्ति में सहनशीलता इतनी ज़्यादा है कि उसको पता भी नहीं चलता कि वो सहन कर रहा है और वो सबकुछ सहन करता जाता है। मुस्कुराता रहता है। किसी व्यक्ति में सहनशीलता तो होती है लेकिन 60 प्रतिशत होती है। किसी में 80 प्रतिशत होती है। तो जो विजयी रत्न होंगे उनमें भी वो सद्गुण ज़्यादा होंगे।

- क्रमशः

तिनसुकिया-असम। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से नेशनल इंग्लिश एकेडमी,गुइजान में 'नैतिक शिक्षा से चरित्र निर्माण' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में राजयोगी ब्र.कु. भगवान भाई,माउण्ट आबू ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। इस मौके पर स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रजनी बहन, बी.के. ठाकुरिया भाई, डायरेक्टर जयनाल अभिदीन, प्रिंसिपल देवान्सू भट्टाचार्य आदि मौजूद रहे।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-01 (2024-25)

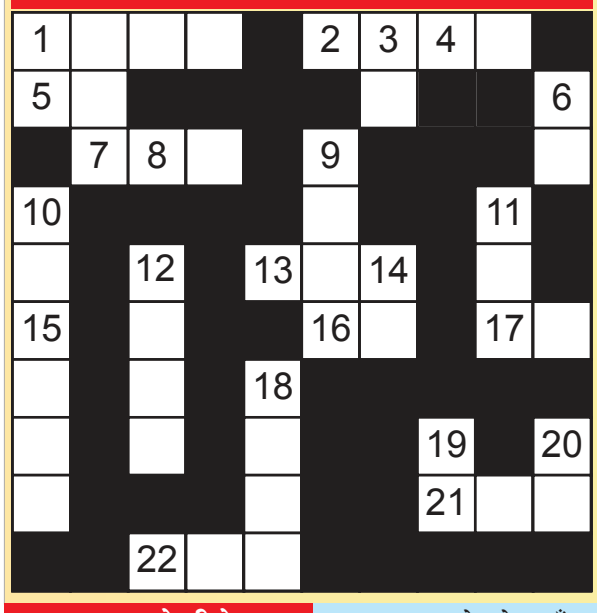

सूचना

बहुत समय से पहेली व सुडुको अथवा पज़्ज़ल में रुचि रखने वाले भाई-बहनों की मांग थी कि ओमशान्ति मीडिया में पहेली का कॉलम डाला जाये। पहले हमने काफी वर्षों तक उसे चलाया था। किंतु कोरोना काल के बाद उसे बंद कर दिया गया था। अब आप सब की रुचि को देखते हुए फिर से आपके लिए पुनः इसकी शुरुआत कर रहे हैं। यह पहेली परमात्मा के महावाक्य व अव्यक्त मुरलियों के आधार पर है। जिससे आपके ज्ञान में वृद्धि होगी और खास करके मुरलियों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी और परमात्म स्मृतियों को तरोताज़ा करेगी। जिससे आपकी मनन शक्ति और तीक्ष्ण व तेज़ होगी। आशा करते हैं कि आपको ये पसंद आयेगी।

हरेक पहेली का दूसरे अंक में उत्तर दिया जायेगा मुरली की तारीख सहित। जिससे आप चेक कर सकेंगे कि आपने जो उत्तर दिया है वह ठीक है या नहीं। फिर उसे आप अपने आप में नम्बर देंगे। ऐसे वर्ष भर यानि कि सितम्बर 2024 से अगस्त 2025 तक रहेगा।

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, नित्य, सदैव (2)
3. शान्ति हमारे गले का ..... है। (2)
6. रहम, करूणा (2)
9. दिल साफ, कोई भी दिल में पुराने संस्कार का अभिमान-.....की महसूसता का दाग नहीं हो। (4)
10. एक बात का बैलन्स कम है। वह यही बात कि निर्माण करने में तो अच्छे आगे बढ़ गये है लेकिन निर्माण के .....।(3)
11. पुराने..... को मिटाना है।(3)
12. बाप बच्चो को कहाँ पर बिठाते हैं? (4)
14. पानी, नीर (2)
15. 11वां माह, शरद ऋतु महीना (4)
18. शहद का बगीचा, फूलों का बगीचा, जहाँ भगवान आते हैं- (4)
19. रीति, रिवाज (2)
20. दिल में बाप समाया हुआ है। किसी भी रूप की ....., चाहे सूक्ष्म रूप हो, चाहे रॉयल रूप हो, चाहे मोटा रूप हो, किसी भी रूप से..... आ नहीं सकती।(2)

बायें से दायें

1. दिल, दिमाग, बोल एक समान की निशानी है- (4)
2. बाबा का विशेष संस्कार देखा-"तुंरत दान ....."(4)
4. ..... के खाते को जमा करना है। (2)
5. कई प्रकार के छोटे-बड़े..., ढीले स्पष्ट दिखाई देते हैं? (2)
7. स्वप्न मात्र .... मात्र भी माया आ नहीं सकती। (3)
8. ..... 5000 वर्ष का होता है? (2)
13. सभा, मंडली (3)
16. हैंडपंप (2)
17. शिवबाबा ब्रह्मा ..... का आधार लेता है। (2)
21. बहुत महीन चमकते हुए हीरे थे लेकिन बोझ वाले नहीं थे, जैसे रंग को हाथ में उठाओ तो हल्का होता है ना। ऐसे भिन्न - भिन्न रंग के हीरे की..... भरी हुई थी। (3)
22. मधुरता को प्रत्यक्ष करने वाली श्रेष्ठ आत्मायें ही.... है। (3)

ऋषिकेश-उत्तराखण्ड। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए बायें से डॉ. हरिओम प्रसाद,असिस्टेंट गवर्नर रोटरी ज़ोन 21, बहन अनीता मंगाई,महापौर, राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी,संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारीज़ माउण्ट आबू, त्रिवेंद्र सिंह रावत,पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद हरिद्वार तथा ब्र.कु. आरती बहन। इस मौके पर किशन कुमार सिंघल,पूर्व राज्यमंत्री, अजय गुप्ता,महासचिव अग्रसेन परिवार, दिनेश कोठारी,अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद, राजकुमार पुडीर,पूर्व प्रधान जॉली ग्रांट, दिनेश रावत,सामाजिक कार्यकर्ता, सुरेंद्र मोगा,पूर्व राज्यमंत्री, शंभू पासवान,पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका मुनी की रेती, रविंद्र राणा,जिला अध्यक्ष भाजपा देहरादून, प्रतीक कालिया,जिला उपाध्यक्ष भाजपा, माधवी गुप्ता,अध्यक्ष महिला मोर्चा, ब्र.कु. सुशील भाई,ब्रह्माकुमारीज़ सबज़ोन देहरादून सेवाकेंद्र के प्रशासनिक सेवओं के इंचार्ज आदि उपस्थित रहे।

बेगुसराय-बिहार। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा एवं एससी एसटी कल्याण मंत्री जनक राम को ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू में होने वाले ग्लोबल कॉन्क्लेव में आने का निमंत्रण देते हुए ब्र.कु. सीता बहन।

मऊ-उ.प्र.। माननीय ऊर्जा राज्य मंत्री एस.के. शर्मा को ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू में आयोजित होने वाले वैश्विक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए निमंत्रण देते हुए ब्र.कु. विमला दीदी। साथ हैं ब्र.कु. पूनम बहन।

कानपुर-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के तपोवन मेहरबान सिंह पुरवा सेवाकेंद्र पर आयोजित संत सम्मेलन में महिला कल्याण बालविकास पुष्टाहार राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिभा शुक्ला, राजयोगी ब्र.कु. रामनाथ भाई,माउण्ट आबू, पनकी धाम बड़े हनुमान मंदिर के महंत श्री श्री 108 महामंडलेश्वर महंत श्रीकृष्ण दास जी, अनंत श्री विभूषित मुनिशाश्रम जी महाराज,शंकराचार्य मठ कानपुर, ब्र.कु. दुलारी दीदी, महंत श्री मधुर महाराज जी, सांसद देवेंद्र सिंह भोले आदि गणमान्य लोग शामिल रहे।

रुदावल-राज.। विधायक डॉ. रितु बानायत को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु. सुनीता बहन। साथ हैं ब्र.कु. पूजा बहन।